कृषक दास अपने स्वामियों के बन्धन से

मुक्त हो गये और उनको स्वतंत्र कृषक मान लिया गया। द्वितीयतः उनको भूमि देने की व्यवस्था की गई। भूपतियों से भूमि लेकर नये स्वतंत्र कृषकों को भूमि दी गई। तृतीय किसानों को जो भूमि हस्तांतरित की गई वह उनके व्यक्तिगत स्वामित्व में नहीं थी। इस भूमि को ग्राम समुदाय में रखा गया। अन्तिम सिद्धान्त यह अपनाया गया कि भूस्वामी को भूमि का कीमत दी जाय चूंकि स्वतंत्र किसानों के पास कीमत चुकाने का साधन नहीं था इसलिए शासन की ओर से भूमि का कीमत दिया गया। इसके लिए ग्राम समुदाय या मीर को इस रकम को 49 वर्षों में 6% ब्याज सहित चुकाने का दायित्व दिया गया।

इस प्रकार लगभग दो करोड़ कृषक दास मुक्त हो गये तथा उनको वैधानिक स्वतंत्रता मिल गई। इस सुधार के बाद रूस के समस्त कृषि योग्य भूमि का आधा भाग स्वतंत्र कृषकों के हाथ में आ गया जो स्वतंत्र आजीविका साधन बना।

मिर्ज़ा साबल ... के कृषक

दुर्बलता के कारण ही युद्ध में पराजय इसलिए जनता को THURSDAY शान्त करने के लिए सुधार करना जरूरी था। अनुभूतियों को देखते हुए एलेक्जेंडर को ख्याल हो गया कि अब उदारवादियों की सुधार की मांग को अवहेलना नहीं की जा सकती सर्वप्रथम उसने गदर करने वाले ~~डिसेम्बरिस्ट~~ डिकेम्ब्रिस्ट विद्रोहियों को क्षमा प्रदान कर कारावास से मुक्त किया उनके साथ कुछ अन्य ~~विद्रोहियों~~ राजनीतिक अपराधियों को क्षमा कर दिया गया विदेश यात्रा तथा विश्वविद्यालयों पर से प्रतिबन्ध हटा लिये गये वजट का प्रकाशन, प्राकृतिक संसाधनों का विकास, उद्योग धंधों का प्रोत्साहन एवं कानूनों का निर्माण पर ध्यान दिया जाने लगा। अपने शासनकाल के प्रथम दस वर्षों उसने कुछ सुधार किये इन्हीं सुधारों के कारण मुक्तिदाता जार के नाम से जाना जाता है।

कृषक दासों की मुक्ति जार एलेक्जेंडर के शासन काल का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण सुधार था क्योंकि रूस मुख्यतः एक खेतिहर देश था देश में बहुत बड़ी संख्या मुजारों की भी 2005 ... थी ... भी आगे था

JULY 2005
[illegible]

कार्यपालिका को न्यायपालिका से अलग
कार्यपालिका न्यायाधीशों का चुनाव राज्य न्यायाधीशों का चुनाव जनता को सौंप दिया गया पहले जो मुकदमों की सुनवाई बन्द कमरों में होती थी सो अब सार्वजनिक रूप से होने लगी फौजदारी मुकदमों की सुनवाई के लिए जूरी की व्यवस्था की गई जिला और प्रान्तों में न्यायाधीश नियुक्त किये गये सीनेट को सर्वोच्च न्यायालय बना दिया गया देश में कानूनों की संहिता बनाने के लिए आज्ञा दी गई राज्य की ओर से वकील नियुक्त किये गये गांव के छोटे छोटे झगड़ा का सुनवाई जनता द्वारा चुने गये जज करते थे इनके साथ-साथ दोषी न्यायाधीशों को हटाने की भी व्यवस्था की गई। ॥

(ग) स्थानीय प्रशासन में

राज्य के शासन व्यवस्था में भी अनेक सुधार किया शासन के क्षेत्र में सुधार किया उन्होंने दो भागों में बांट दो सिद्धान्तों पर आधारित था विकेन्द्रीकरण और प्रान्तीय स्वायत्तता स्थानीय शासन को स्वायत्तता प्रदान कर शासन को विकेन्द्रीकरण कर दिया प्रत्येक जिला में स्थानीय

JULY 2005
M 4 11 18 25
T 5 12 19 26
W 6 13 20 27
T 7 14 21 28
F 1 8 15 22 29
S 2 9 16 23 30
S 3 10 17 24 31
2005

नियमित होता था। इनमें सभी वर्ग

से प्रतिनिधि आते थे इसके तहत सड़कों और पुलों का मरम्मत, प्रारंभिक शिक्षा और सिंचाई का निरीक्षण करना तथा विवाद निवारण के लिए आवश्यक कार्रवाई स्थानीय कमेटी को दिया गया।

जार एलेक्जेंडर ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों पर से पुरानी पाबंदियों हटा दिया। इसके तहत अब सभी वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु विदेश भी जा सकते थे प्राइमरी तथा माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान दिया गया 1858 ई. ~~महिलाओं~~ लड़कियों की शिक्षा का प्रबन्ध किया गया स्त्रियों की शिक्षा के लिए अलग विश्व विद्यालय की स्थापना की गई

जार एलेक्जेंडर ने यह महसूस किया अर्थव्यवस्था में सुधार लाना जरूरी है चूंकि युद्धों के कारण विश्व के अधिकांश देशों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है इसलिए आर्थिक सुदृढ़ करने के लिए व्यापार को

दासों की मुक्ति की घोषणा हुई थी तो ऐसा प्रतीत

हुआ था कि एक क्रान्तिकारी घटना घटने जा रही है। लगता था कि कृषक स्वतन्त्र जीवन व्यतीत करेगा लेकिन बाद में इन सुधारों से बहुत निराशा हुई वास्तव में किसानों की दशा में कोई परिवर्तन नहीं हुआ इसके बदले किसानों का आर्थिक दशा पहले से बदतर हो गया चूंकि इनको कृषि कम मिला था उपर से इनको लगान तथा कृषि की कीमत का वार्षिक किस्त भी देना पड़ता था एक तरफ जमिन्दार से छुटकारा मिला तो दूसरे तरफ मीर का अत्याचार शुरू हुआ लेकिन भूपतियों इससे काफी लाभ हुआ इस प्रकार कुलीनों की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित हो गई।

1862 ई० में जार एलेक्जेण्डर ने न्यायिक क्षेत्र में सुधार किया चूंकि रूस का न्याय प्रशासन अत्यंत दुषित था इसमें भ्रष्टाचार था और बेइमानी का बोलबाला था। उस समय साधारण व्यक्ति को न्याय मिलना मुश्किल था इसने यूरोपीय न्यायालयों का संगठन के आधार पर न्यायालयों का संगठन किया

न्यायालयों को स्वतंत्र एवं न्याय किया

प्रोत्साहन तथा तीव्र गति से उद्यो[illegible]
WEDNESDAY
विकास पर ध्यान आकृष्ट कि[illegible]
स्टेट बैंक की स्थापना, रेलवे का वि[illegible]
व्यापारिक जहाज का निर्माण पर ध्यान दिया
गया इन सब सुधारों से राज की आर्थिक
स्थिति में सुधार लाया गया।
जार ए लेक्जेण्डर तृतीय
राज की ओर ध्यान किया ~~और अतिरिक्त~~ दूर
संचार का महत्व न बना आय का स्रोत बना
घरेलू एवं विदेशी डाक टिकटों ~~का~~ प्रचलित
किया यह उन्होंने दूर निर्यात सामग्री के
आयात को बन्द कर अपने देश में ही
निर्माण पर बल दिया।

मुजारे या तो राजा के पास या सारी परिवार के पास मुजारे इस भूमि पर काम करते थे वे जमींदार की बिना आज्ञा के बिना नहीं छोड़ सकते थे अपने स्वामी के आदेश भी जमीन जब बिकती थी तो मुजारों को भी बिक्री हो जाती थी मुजारों की स्थिति गुलामों जैसी थी उनको जागीरदार के यहाँ घरेलू भी काम करना पड़ता था वे निरक्षर तथा आलस्य थे इस प्रथा को समाप्त करने के लिए जार एलेक्जेंडर ने प्रशासन के अन्तर्गत एक नया विभाग खोला उसने कुलीनों से विचार विमर्श किया चूंकि जार एलेक्जेंडर को विश्वास था कि बिना कुलीनों के सहयोग के इस दूषित प्रथा का अन्त नहीं होगा पहले तो कुलीनों ने इसका विरोध किया लेकिन एलेक्जेंडर के दबाव के कारण अत: राजी हो गये और 19 फरवरी 1861 ई. को एक राजाज्ञा द्वारा कृषक दासों की मुक्ति की घोषणा की गई

जार एलेक्जेंडर का यह महत्वपूर्ण सुधार चार सिद्धान्तों पर आधारित था वह यह कि इस राजाज्ञा द्वारा कृषक दासों को सभी नागरिक अधिकार दिये जायें सभी

15 WEDNESDAY JUNE

जार निकोलस I के कार्य

निकोलस के मरणोपरान्त जार एलेक्जेण्डर द्वितीय रूस के सिंहासन पर आरूढ हुआ। क्रीमिया का युद्ध सामान्य अर्थ में यूरोपीय इतिहास का एक युगान्तकारी घटना युद्ध था रूस के इतिहास पर यह तथ्य विशेष रूप से प्रभावित किया इस युद्ध की हार ने रूस के निरंकुश शासनतंत्र की वास्तविक दुर्बलता और अकुशलता को स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया चूंकि एलेक्जेण्डर को ही वार्ता करके 1856 ई० की अपमानजनक पेरिस सन्धि पर हस्ताक्षर करना पड़ा था जहाँ तक काला सागर का प्रश्न है आगामी 14 वर्षों में रूस का प्रभाव नष्ट हो गया था।

क्रीमिया युद्ध के समाप्त हो जाने पर एलेक्जेण्डर ने आन्तरिक व्यवस्था की ओर ध्यान दिया। उस समय देश में बहुत असन्तोष था जनता में निरंकुश शासन के विरुद्ध घोर कटुता थी क्योंकि सामान्य

2005